भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3253** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 8 अगस्त, 2025/ 17 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जलमार्ग

†3253. श्री संजय दिना पाटील:

श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:

श्रीमती सुप्रिया सुले:

श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के अंतर्गत महाराष्ट्र में कुल 3,089 किलोमीटर लंबाई वाले पंद्रह राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू) घोषित किए गए थे और यदि हाँ, तो जिलेवार अवस्थिति सहित उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) महाराष्ट्र में संचालित छह राष्ट्रीय जलमार्गों के नाम और नौगम्य लंबाई क्या है तथा माल / यात्री आवागमन की प्रकृति क्या है;

(ग) क्या सरकार को महाराष्ट्र में नए जलमार्गों या गैर-संचालनशील एनडब्ल्यू के उन्नयन के लिए कोई नया प्रस्ताव प्राप्त हुआ है, यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में रसद लागत को कम करने के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों पर माल परिवहन के मॉडल स्थानांतरण को बढ़ावा देने के लिए कोई अध्ययन या पहल की है, यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या प्रगति हुई है; और

(ङ) महाराष्ट्र में नदी तटों पर, विशेष रूप से रायगढ़, मुंबई और रत्नागिरी जैसे जिलों में, जो अंतर्देशीय जल परिवहन के प्राथमिक लाभार्थी बताए जाते हैं, औद्योगीकरण और आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के द्वारा पंद्रह (15) राष्ट्रीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है। इन राष्ट्रीय जलमार्गों की कुल लंबाई 3089 किलोमीटर है, जिसमें से 1851.45 किलोमीटर महाराष्ट्र में है। महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से होकर गुजरने वाले इन राष्ट्रीय जलमार्गों का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ख): महाराष्ट्र राज्य में पाँच (5) राष्ट्रीय जलमार्ग चालू हैं जिनकी कुल लंबाई 304 किलोमीटर है। चालू राष्ट्रीय जलमार्ग हैं: राष्ट्रीय जलमार्ग-10 (अंबा नदी), राष्ट्रीय जलमार्ग-53 (कल्याण-ठाणे-मुंबई जलमार्ग, वसई क्रीक और उल्हास नदी), राष्ट्रीय जलमार्ग-83 (राजपुरी क्रीक), राष्ट्रीय जलमार्ग-85 (रेवदंडा क्रीक और कुंडलिका नदी), और राष्ट्रीय जलमार्ग-91 (शास्त्री नदी-जयगढ़ किला क्रीक)। इन राष्ट्रीय जलमार्गों से ले जाए जाने वाले कार्गो में कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट क्लिकर आदि शामिल हैं। 2024-25 के दौरान इन राष्ट्रीय जलमार्गों पर दर्ज कुल यात्री आवागमन 27.37 लाख था।

(ग): महाराष्ट्र सरकार से विदर्भ सीवे नहर का व्यवहार्यता पूर्व अध्ययन तैयार करने के संबंध में एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), कार्गो के अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) मोड में मॉडल शिफ्ट के लिए हितधारकों के साथ नियमित बैठकों के माध्यम से कई पहल कर रहा है, जिनमें केंद्र और राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से अंतर्देशीय जलमार्गों से अपने कार्गो के परिवहन का एक निश्चित प्रतिशत निर्धारित करने का अनुरोध भी शामिल है। परिणामस्वरूप, पाँच (5) राष्ट्रीय जलमार्गों अर्थात् राष्ट्रीय जलमार्ग-10, राष्ट्रीय जलमार्ग-53, राष्ट्रीय जलमार्ग-83, राष्ट्रीय जलमार्ग-85 और राष्ट्रीय जलमार्ग-91 पर कुल कार्गो आवागमन 2020-21 के दौरान 28.21 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2024-25 के दौरान 66.11 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। लेकिन, महाराष्ट्र राज्य के संबंध में कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है।

(ङ): आईडब्ल्यूएआई को नौवहन और नौचालन के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नदी तटों पर आर्थिक गतिविधि और औद्योगीकरण मुख्यत: संबंधित राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र लॉजिस्टिक्स नीति-2024 के तहत, सरकार ने दक्षिण महाराष्ट्र, विशेष रूप से रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में तटीय लॉजिस्टिक्स में सुधार करने और पत्तन-आधारित औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों की परिकल्पना की है। उक्त नीति में एकीकृत लॉजिस्टिक्स हबों के विकास, बेहतर तटीय संपर्कता और उन्नत पत्तन अवसंरचना की परिकल्पना की गई है ताकि कार्गो का कुशल आवागमन सुनिश्चित हो सके और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

अनुबंध

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जलमार्गों का विवरण:

क्र. सं.	रा.ज.	नदी	कुल लंबाई (किमी)	महाराष्ट्र में लंबाई (किमी)	जिले
1.	रा.ज.- 4	गोदावरी (महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना)	1202	683.6	नासिक, अहमदनगर, औरंगाबाद, बीड, जालाना, नांदेड़, प्रभानी और गढ़चिरौली
2.	रा.ज.- 10	अंबा नदी	45	45	रायगढ़
3.	रा.ज.- 11	अरुणावती – अरण नदी प्रणाली	99	99	यवतमाल, वाशिम
4.	रा.ज.- 28	दाभोल खाड़ी- वशिष्ठी नदी	45	45	रत्नागिरि
5.	रा.ज.- 53	कल्याण-ठाणे-मुंबई जलमार्ग, वसई क्रीक और उल्हास नदी	145	145	मुंबई, मालेगांव, नासिक
6.	रा.ज.- 72	नाग नदी	60	60	नागपुर
7.	रा.ज.- 83	राजपुरी खाड़ी	31	31	रायगढ़
8.	रा.ज.- 85	रेवदंडा क्रीक और कुंडलिका नदी	31	31	रायगढ़
9.	रा.ज.- 89	सावित्री नदी और बैंकोट नदी	46	46	रायगढ़
10.	रा.ज.- 91	शास्त्री नदी- जयगढ़ फोर्ट क्रीक	52	52	रत्नागिरि
11.	रा.ज.- 100	तापी नदी (गुजरात और महाराष्ट्र)	436	228	धुले, जलगाँव, नंदुरबार
12.	रा.ज.- 70	मंजीरा नदी	245	108.78	नांदेड़
13.	रा.ज.- 78	पैनगंगा नदी- वर्धा नदी	261.51	197.60	बुलढाणा , चंद्रपुर, यवतमाल , वाशिम , हिंगोली
14.	रा.ज.- 109	वैनगंगा नदी- प्राणहिता नदी	165.78	35	चंद्रपुर और गढ़चिरौली
15.	रा.ज.- 73	नर्मदा (गुजरात और महाराष्ट्र)	226	44.5	नंदुरबार
कुल			**3090**	**1851.45**	

*****